School Lecturer [Sanskrit Edu. Dept.] Exam-2024
Exam Date :- 18.11.2024

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 24
Number of Pages in Booklet : 24

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

Paper Code : 01

LSK-24

इस प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए। Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

Sub : Hindi
Paper-II

प्रश्न-पुस्तिका संख्या व बारकोड/
Question Booklet No. & Barcode

704797

समय : 03 घण्टे + 10 मिनट अतिरिक्त*
Time : 03 Hours + 10 Minutes Extra*

अधिकतम अंक : 300
Maximum Marks : 300

प्रश्न-पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर प्रश्न-पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :

- **प्रश्न-पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है।**
- **प्रश्न-पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं। समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/ मुद्रण त्रुटि नहीं है।**

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी। परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper, the candidate should ensure that :

- **Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.**
- **All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.**

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है।**
2. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र **एक** ही उत्तर दीजिए। एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा।
4. **OMR** उत्तर-पत्रक इस प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर रखा है। जब आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल पॉइंट पेन** से विवरण भरें।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें। गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा।
6. **ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक में करेक्शन पेन/व्हाईटनर/सफेदा का उपयोग निषिद्ध है।**
7. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है।
8. **प्रत्येक प्रश्न के पाँच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है।**
9. **यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उत्तर-पत्रक में पाँचवें (5) विकल्प को गहरा करें। यदि पाँच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।**
10. * **प्रश्न-पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक जाँच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है। इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।**
11. **यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पाँच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है, तो उसको अयोग्य माना जायेगा।**
12. मोबाइल फोन अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. **All** questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **Blue Ball Point Pen** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in **OMR** Answer Sheet. Candidate will themself be responsible for filling wrong Roll No.
6. **Use of Correction Pen/Whitener in the O.M.R. Answer Sheet is strictly forbidden.**
7. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
8. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
9. **If you are not attempting a question then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
10. * **After solving question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for this.**
11. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions, shall be disqualified.**
12. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair Means in Recruitment) Act, 2022 & any other laws applicable and Commission's Rules-Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर-पत्रक में दो प्रतियाँ हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति। परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर-पत्रक की दोनों प्रतियाँ वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें। वीक्षक उत्तर-पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाइन से मोड़ कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे। परीक्षार्थी को उत्तर-पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी।

अपठित गद्यांश

हिन्दुस्तान में कुछ फूल बड़े ही दबंग और अक्खड़ प्रकृति के हैं, जैसे धतूरा और जवाकुसुम मानो दिनकर की कविता हों । चम्पा तपोरता उमा की तरह है, जिसके पास भ्रमर फटकने का साहस भी नहीं कर सकता । सफेद कचनार 'अज्ञेय' जी के बुद्धिवादी प्यार का प्रतीक है । पारिजात सुमित्रानन्दन पन्त की कविता है और रसाल-मंजरी प्रसादजी का सौन्दर्य-बोध । निराला की रसदृष्टि पीली सरसों का मुक्त विस्तार है । इसे अभिजात फूलों में सर्वथा अपांक्तेय रखा गया है, पर स्नेह का स्रोत, जिससे प्रकाश का जन्म होता है और प्राणों का पोषण होता है, और धरती का शृंगार यही है । शोभा और शृंगार के विविध मापदण्डों के प्रतीक इन पुष्पों के रहते हुए भी मैं नीम के पुष्प-गुच्छ का तिरस्कार नहीं कर पाता हूँ । यह अत्यन्त लघुकाय होता है । सफेद, बीच में पीली बिन्दी ।

दिए गए गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों (प्र. सं. **1, 2** और **3**) के उत्तर दीजिए :

1. लेखक ने किस फूल को तपस्या में रत पार्वती के समान बताया है ?

(1) जवाकुसुम (2) पारिजात
(3) कचनार (4) चम्पा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

2. लेखक के मतानुसार अत्यंत उपयोगी होते हुए भी किस फूल को उचित महत्त्व नहीं दिया गया ?

(1) धतूरे के फूल को
(2) पारिजात के फूल को
(3) सरसों के फूल को
(4) सफेद कचनार को
(5) अनुत्तरित प्रश्न

3. प्रस्तुत गद्यांश में आम्र-मंजरी से किस कवि के सौंदर्य-बोध की तुलना की गई है ?

(1) जयशंकर प्रसाद
(2) सुमित्रानंदन पंत
(3) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
(4) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(5) अनुत्तरित प्रश्न

अपठित पद्यांश

सभ्यता कहाँ आ गई ? कहाँ खड़ा है विश्व ?
जा रहा है किधर गति-रथ विज्ञान-कलाओं का ?
किस दिशि उन्मुख इतिहास ? दे रहा क्या विकास ?
क्या शोर समय का है ? क्या ज़ोर हवाओं का ?
क्या यही सभ्यता का वह सुन्दर सुखद स्वर्ग ?
है पड़ा जहाँ पग-पग पर मुर्दों का पड़ाव,
बिक रहा जहाँ नारीत्व रजत के टुकड़ों पर
फूलों के शव पर जहाँ शृगालों का जमाव !

उपर्युक्त पद्यावतरण के आधार पर प्रश्न संख्या **4, 5** और **6** के उत्तर दीजिए :

4. पद्यांश का केंद्रीय भाव है

(1) प्रेम
(2) शांति
(3) चिंता
(4) ईर्ष्या
(5) अनुत्तरित प्रश्न

5. पद्यांश में नारी की स्थिति कैसी बताई गई है ?

(1) चिंतनीय
(2) हास्यास्पद
(3) वंदनीय
(4) दर्शनीय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

6. कविता में 'रजत के टुकड़ों' से कवि का क्या आशय है ?

(1) धर्म-कर्म
(2) प्रदर्शनप्रियता
(3) रूढ़िग्रस्तता
(4) लोभ-लालच
(5) अनुत्तरित प्रश्न

7. समाचार-लेखन की 'उलटा पिरामिड – शैली' के संबंध में असंगत है

(1) इस शैली में समाचार के सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य को सबसे पहले लिखा जाता है।

(2) इस शैली में समाचार को तीन हिस्सों में विभाजित किया जाता है।

(3) इसमें इंट्रो, बॉडी और समापन के क्रम में घटनाएँ प्रस्तुत की जाती हैं।

(4) इसमें कहानी की तरह क्लाइमेक्स खबर के अंत में आता है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

8. इंटरनेट पत्रकारिता के संबंध में असंगत है

(1) खबरों के संप्रेषण के लिए इंटरनेट का उपयोग।

(2) समाचारों के संकलन, सत्यापन और पुष्टीकरण में आसानी।

(3) अश्लीलता, दुष्प्रचार और अफवाहों का सर्वथा अभाव।

(4) समाचारों के बैक-ग्राउंडर तैयार करने में तीव्रता।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

9. मुद्रित माध्यमों में लेखनगत विशेषताओं की दृष्टि से असंगत है

(1) भाषा, व्याकरण, वर्तनी और शब्दों के उपयुक्त प्रयोग पर बल

(2) भाषा में सहज प्रवाह के लिए तारतम्य की अनिवार्यता

(3) संस्कृतनिष्ठ शास्त्रीय भाषा और साहित्यिक शैली पर बल

(4) समय-सीमा और आवंटित स्थान के अनुरूप लेखन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

10. निम्नलिखित में से किसे कहानी का आवश्यक तत्त्व नहीं कहा जा सकता है ?

(1) कथानक में द्वन्द्व

(2) असंभव कल्पना

(3) पात्रों के संवाद

(4) पात्रों का चरित्र-चित्रण

(5) अनुत्तरित प्रश्न

11. निम्नलिखित में से किस विधा का पत्रकारिता से गहरा संबंध है ?

(1) कविता

(2) कहानी

(3) रिपोर्ताज

(4) डायरी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

12. 'डायरी-लेखन' के संबंध में असंगत है

(1) इसमें तात्कालिक संवेदनात्मक भावों की अभिव्यक्ति होती है।

(2) इसमें व्यक्ति निरपेक्षता अधिक रहती है।

(3) डायरी लेखक समय और स्थान के संदर्भ को भी अपनी अभिव्यक्ति देता है।

(4) डायरी लेखक अपनी भावना के प्रति ईमानदार होता है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

13. "हरि के चढ़ते ही उड़े सब द्विज एकै साथ।" इस काव्य पंक्ति में निहित शब्द शक्ति है

(1) अभिधा

(2) रूढ़ि लक्षणा

(3) प्रयोजनवती लक्षणा

(4) व्यंजना

(5) अनुत्तरित प्रश्न

14. अभिधा शब्द शक्ति का उदाहरण है
(1) दोनों घरों में लड़ाई है ।
(2) सारा गाँव भूखों मर रहा है ।
(3) तालाब में कमल खिल गया है ।
(4) कोकिल कंठी गा रही है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

15. निम्नलिखित में से लक्षणा में होता है :
(1) सामान्य अर्थ
(2) मुख्यार्थ में बाधा
(3) अकथित अर्थ का प्रकाशन
(4) व्यंग्यार्थ का प्रकाशन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

16. यमक अलंकार का उदाहरण है
(1) यों परदे की इज्जत परदेशी के हाथ बिकानी थी।
(2) बलिहारी नृप कूप की, गुण बिन बूँद न देहिं ।
(3) मिला तेज से तेज, तेज की वह सच्ची अधिकारी थी ।
(4) हँसने लगे तब हरि अहा ! पूर्णेन्दु-सा मुख खिल गया ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

17. उपमा अलंकार की विशेषताओं के संबंध में असंगत है
(1) इसमें उपमेय और उपमान में साम्यस्थापन किया जाता है ।
(2) उपमेय और उपमान में साधर्म्य रहने पर भी वैधर्म्य के तत्त्व विद्यमान रहते हैं ।
(3) सादृश्य विधान के लिए जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है उन्हें साधारण धर्म कहते हैं ।
(4) जिस वस्तु का साम्य अन्य वस्तु के साथ स्थापित किया जाता है उसे 'उपमेय' कहते हैं ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

18. जहाँ गाँठ तहाँ रस नहीं, यह जानत सब कोय ।
इस काव्यांश का सौन्दर्य निम्नलिखित में से किस अलंकार पर आधारित है ?
(1) यमक
(2) श्लेष
(3) उत्प्रेक्षा
(4) संदेह
(5) अनुत्तरित प्रश्न

19. 'उत्प्रेक्षा' अलंकार के संबंध में असंगत है
(1) इसमें उपमेय और उपमान में सादृश्य की संभावना की जाती है ।
(2) उत्प्रेक्षा में उपमेय उत्कट या प्रधान जबकि उपमान गौण होता है ।
(3) उपमा की भाँति उत्प्रेक्षा में भी वाचक शब्द प्रयुक्त होते हैं ।
(4) उत्प्रेक्षा में विशिष्ट या कविकल्पित उपमान की संभावना आवश्यक है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

20. किस अलंकार में उपमेय में उपमान का अभेद आरोप किया जाता है ?
(1) उपमा
(2) उदाहरण
(3) श्लेष
(4) रूपक
(5) अनुत्तरित प्रश्न

21. 'हरिगीतिका' छंद के विषय में सही नहीं है
(1) प्रत्येक चरण में 28 मात्राएँ
(2) चरण के अंत में गुरु-लघु
(3) 16, 12 पर यति
(4) गीतिका के आरम्भ में दो मात्राएँ जोड़ने से हरिगीतिका बन जाता है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

22. "जगत जनायो जिहि सकल, सो हरि जान्यो नाहिं ।
ज्यों आँखन सब देखिए, आँखि न देखी जाहिं ।।"
उक्त पंक्तियों में कौन सा अलंकार है ?
(1) दृष्टांत
(2) रूपक
(3) उत्प्रेक्षा
(4) उदाहरण
(5) अनुत्तरित प्रश्न

23. "हुआ बाल-रवि उदय कनक-नभ किरणें फूटीं ।
भरित तिमिर पर परम प्रभामय बनकर टूटीं ।
जगत जगमगा उठा विभा वसुधा में फैली ।
खुली अलौकिक ज्योति-पुंज की मंजुल थैली ।"
इस काव्यांश में प्रयुक्त छंद है
(1) चौपाई
(2) गीतिका
(3) रोला
(4) उल्लाला
(5) अनुत्तरित प्रश्न

24. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प संगत है ?
(1) दोहा मात्रिक अर्ध-सम छंद है ।
(2) चौपाई के प्रत्येक चरण में 16 वर्ण होते हैं ।
(3) रोला वर्णिक मुक्तक छंद है ।
(4) गीतिका के प्रत्येक चरण में 15, 13 पर यति होती है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

25. उल्लाला छंद की विशेषता है
(1) मात्रिक सम छंद है ।
(2) विषम चरण में 15 वर्ण होते हैं ।
(3) सम चरण दोहे के विषम चरण के समान होता है ।
(4) प्रत्येक चरण में क्रमशः नगण, भगण, भगण, तगण होता है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

26. काव्य गुणों की विशेषताओं के संबंध में असंगत है
(1) रस को ध्यान में रखकर ही काव्य गुणों का वर्गीकरण किया जाता है ।
(2) मधुर भाव को द्योतित करने वाले रसों में कोमल और मधुर शब्दों का प्रयोग वांछनीय है ।
(3) रौद्र, वीर और वीभत्स रस की व्यंजना हेतु सरल, बोधगम्य एवं सर्वजन-सुलभ शब्दों का प्रयोग करना अनिवार्य है ।
(4) कोमल भाव वाले रसों के वर्णन में कठोर वर्ण प्रयुक्त हों तो रसास्वादन में व्यवधान उपस्थित हो जाता है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

27. हृदय में उत्साह, उत्तेजना या तेजस्विता उत्पन्न करने तथा चित्त का विस्तार करने की क्षमता से युक्त रचना में किस काव्य गुण की प्रधानता होती है ?
(1) माधुर्य
(2) ओज
(3) प्रसाद
(4) आवेग
(5) अनुत्तरित प्रश्न

28. 'रौद्र' रस के संचारी भाव हैं

(1) त्रास, शंका, चिंता, अपस्मार

(2) चपलता, उग्रता, गर्व, अमर्ष

(3) वितर्क, जड़ता, आवेग, हर्ष

(4) उन्माद-व्याधि, जड़ता, मोह

(5) अनुत्तरित प्रश्न

29. रस को "अखंड, चिन्मय, स्वयंप्रकाशमान्, आनंदस्वरूप, वेद्यांतरस्पर्शशून्य, ब्रह्मास्वादसहोदर, लोकोत्तर चमत्कारप्राण, स्वाकारवत्, अभिन्न और आस्वादरूप" मानने वाले आचार्य हैं

(1) मम्मट

(2) कुन्तक

(3) महिमभट्ट

(4) विश्वनाथ

(5) अनुत्तरित प्रश्न

30. "ये स्वयं इतने प्रबल होते हैं कि मित्र या शत्रुभाव इन्हें न तो आत्मसात् करते हैं और न दबा सकते हैं । ये दूसरे भावों को अन्तर्निहित करके उन्हें वशवर्ती बना लेते हैं ।"

इस कथन के द्वारा निम्नलिखित में से किसकी विशेषता प्रकट हुई है ?

(1) स्थायी भाव

(2) विभाव

(3) अनुभाव

(4) संचारी भाव

(5) अनुत्तरित प्रश्न

31. रसानुभूति या रसास्वादन की सूचना किससे प्राप्त होती है ?

(1) स्थायी भाव

(2) अनुभाव

(3) आलंबन विभाव

(4) उद्दीपन विभाव

(5) अनुत्तरित प्रश्न

32. 'रससूत्र' की आचार्य शंकुक द्वारा की गई व्याख्या को कहते हैं

(1) उत्पत्तिवाद

(2) आरोपवाद

(3) अनुमितिवाद

(4) अभिव्यक्तिवाद

(5) अनुत्तरित प्रश्न

33. रामचंद्र शुक्ल ने अपने काल विभाजन में वीरगाथाकाल का प्रारंभिक समय क्या माना है ?

(1) 990 ई.

(2) 1050 ई.

(3) 993 ई.

(4) 1000 ई.

(5) अनुत्तरित प्रश्न

34. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा में निम्नलिखित में से कौन सा ग्रंथ कालक्रम की दृष्टि से सबसे पहले लिखा गया ?

(1) मिश्रबंधु विनोद

(2) मॉडर्न वर्नाक्युलर लिट्रेचर ऑफ हिन्दुस्तान

(3) हिन्दी साहित्य की भूमिका

(4) हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास

(5) अनुत्तरित प्रश्न

35. 'हिन्दी साहित्य का अतीत' के लेखक हैं

(1) विजयेन्द्र स्नातक

(2) विश्वनाथ त्रिपाठी

(3) धीरेन्द्र वर्मा

(4) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

(5) अनुत्तरित प्रश्न

36. रचना और रचनाकार की दृष्टि से सुमेलित नहीं है

(1) हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास – हजारीप्रसाद द्विवेदी

(2) हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

(3) हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह

(4) हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – नंददुलारे वाजपेयी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

37. राहुल सांकृत्यायन ने हिन्दी का प्रथम कवि किसे माना है ?

(1) सरहपाद

(2) गोरखनाथ

(3) कबीर

(4) शालिभद्र सूरि

(5) अनुत्तरित प्रश्न

38. "भाषा की परीक्षा करके देखते हैं तो वह साहित्यिक नहीं है, राजस्थानी है ।" आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने किस ग्रंथ की भाषा के संबंध में उक्त मत प्रस्तुत किया है ?

(1) बीसलदेव रासो

(2) पृथ्वीराज रासो

(3) परमाल रासो

(4) जयमयंक जस चन्द्रिका

(5) अनुत्तरित प्रश्न

39. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने अपने साहित्येतिहास में काल-विभागों के नामकरण का आधार किसे माना है ?

(1) अनेक रचनाओं में प्रयुक्त भाषा-शैली की प्रसिद्धि

(2) सभी ढंग की साधारण और असाधारण रचनाओं की प्रसिद्धि

(3) विभिन्न ढंग की रचनाओं की प्रचुरता और प्रसिद्धि

(4) किसी विशेष ढंग की रचनाओं की प्रचुरता और प्रसिद्धि

(5) अनुत्तरित प्रश्न

40. 'पृथ्वीराज रासो' को सर्वथा अप्रामाणिक ग्रंथ मानने वाले विद्वान हैं

(1) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(2) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(3) श्यामसुन्दर दास

(4) कर्नल जेम्स टॉड

(5) अनुत्तरित प्रश्न

41. मुनि जिनविजय ने जैन साहित्य की रास परंपरा का प्रथम ग्रंथ किसे माना है ?

(1) चंदनबाला रास

(2) रेवंतगिरि रास

(3) भरतेश्वर बाहुबली रास

(4) स्थूलिभद्र रास

(5) अनुत्तरित प्रश्न

42. "आध्यात्मिक रंग के चश्मे आजकल बहुत सस्ते हो गए हैं। उन्हें चढ़ा कर जैसे कुछ लोगों ने 'गीत गोविन्द' के पदों को आध्यात्मिक संकेत बताया है, वैसे ही विद्यापति के इन पदों को भी।"
उपर्युक्त कथन किसका है ?
(1) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(2) रामकुमार वर्मा
(3) रामविलास शर्मा
(4) रामचंद्र शुक्ल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

43. सिद्धों के चर्यापद देश के किस क्षेत्र में अधिक रचे गए और प्रचलित रहे ?
(1) पूर्वी
(2) उत्तरी
(3) पश्चिमी
(4) दक्षिणी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

44. आदिकालीन सिद्ध-साहित्य की प्रवृत्तियों की दृष्टि से असंगत है
(1) पाखण्ड और आडम्बर का विरोध
(2) सहज जीवन पर बल
(3) सहज भोगमार्ग और महासुख का खंडन
(4) रहस्य-भावना की प्रधानता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

45. आदिकालीन नाथ-साहित्य के संबंध में असंगत है
(1) नाथ-साहित्य में गुरु-महिमा, इन्द्रिय-निग्रह, प्राणसाधना और कुण्डलिनी-जागरण आदि का वर्णन मिलता है।
(2) इस साहित्य में नीति और साधना मार्ग की व्यापकता मिलती है।
(3) इसमें जीवन की अनुभूतियों का सघन चित्रण हुआ है।
(4) राहुल सांकृत्यायन ने नाथ-पंथ को सिद्धों की परम्परा से सर्वथा भिन्न माना है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

46. मंझन कृत 'मधुमालती' के संबंध में असंगत है
(1) इसमें पाँच चौपाइयों (अर्द्धालियों) के उपरांत एक दोहे का क्रम रखा गया है।
(2) इसके नायक-नायिका हैं - मनोहर - मधुमालती।
(3) इसमें उपनायक-उपनायिका की भी योजना की गई है।
(4) ताराचंद मधुमालती से विवाह करना चाहता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

47. 'बीसलदेव रासो' के संबंध में असंगत है
(1) 'बीसलदेव रासो' की भाव-भूमि प्रेम की निश्छल अभिव्यक्ति से सरस है।
(2) 'मेघदूत' और 'संदेशरासक' की संदेश-परंपरा भी इसमें मिलती है।
(3) इसमें सामन्ती जीवन के प्रति गहरी अरुचि का चित्रण हुआ है।
(4) इसमें वीर, वीभत्स और करुण रस का पूर्ण परिपाक हुआ है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

48. "इस रूप में इस कहानी का पूर्वार्द्ध तो बिल्कुल कल्पित है और उत्तरार्द्ध ऐतिहासिक आधार पर है।" 'पद्मावत' के संबंध में उक्त कथन किसका है ?

(1) डॉ. रामकुमार वर्मा
(2) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
(3) डॉ. नगेंद्र
(4) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

49. दादूदयाल की रचनाओं को 'अंगवधू' शीर्षक कृति में किसने संकलित किया ?

(1) सुंदरदास
(2) रज्जब
(3) संतदास
(4) जगन्नाथदास
(5) अनुत्तरित प्रश्न

50. निम्नलिखित में सुमेलित नहीं है :

(1) मध्वाचार्य – ब्रह्म संप्रदाय
(2) निंबार्काचार्य – सनकादि संप्रदाय
(3) स्वामी हरिदास – सखी संप्रदाय
(4) गोसाईं हितहरिवंश – बल्लभ संप्रदाय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

51. 'दादू-पंथ' के अन्तर्गत मुख्य साधकों में नहीं है

(1) मलूकदास
(2) सुंदरदास
(3) जगजीवन
(4) रज्जब
(5) अनुत्तरित प्रश्न

52. नंददास कृत 'रसमंजरी' इनमें से किससे प्रभावित है ?

(1) कृपाराम कृत हिततरंगिणी
(2) भानुदत्त कृत रसमंजरी
(3) केशवदास कृत कविप्रिया
(4) मतिराम कृत ललितललाम
(5) अनुत्तरित प्रश्न

53. मीराँ के संबंध में असंगत है

(1) इनकी भक्ति मुख्यतः दैन्य और माधुर्य भाव की है।
(2) इन पर योगियों, संतों और वैष्णव भक्तों का सम्मिलित प्रभाव पड़ा है।
(3) इनके आराध्य केवल सगुण साकार गोपीवल्लभ श्रीकृष्ण हैं।
(4) इनके पदों में राजस्थानी, ब्रज, गुजराती आदि का मिश्रण पाया जाता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

54. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के मतानुसार 'सूरसागर' का सबसे मर्मस्पर्शी और वाग्वैदग्ध्यपूर्ण अंश है

(1) बाललीला
(2) गोचारण
(3) भ्रमरगीत
(4) रासलीला
(5) अनुत्तरित प्रश्न

55. "आगे के सुकवि रीझिहैं, तो कबिताई, न तौ राधिका कन्हाई सुमिरन कौ बहानौ है ।।"
उक्त काव्यांश के माध्यम से रीतिकालीन शृंगारिक रचनाओं के प्रति असंतोष प्रकट करने वाले कवि हैं
(1) मतिराम
(2) भूषण
(3) रसलीन
(4) भिखारीदास
(5) अनुत्तरित प्रश्न

56. निम्नलिखित में अलंकार निरूपक ग्रंथ है :
(1) वृत्ताविचार
(2) सुधानिधि
(3) छंदोर्णवपिंगल
(4) ललितललाम
(5) अनुत्तरित प्रश्न

57. "इसका एक-एक दोहा हिंदी साहित्य में एक-एक रत्न माना जाता है ।" आचार्य रामचंद्र शुक्ल का यह कथन किस रचना के संबंध में है ?
(1) मतिराम सतसई
(2) वृंद सतसई
(3) दोहावली (तुलसीदास)
(4) बिहारी सतसई
(5) अनुत्तरित प्रश्न

58. आचार्य केशवदास ने कवि शिक्षा हेतु किस ग्रंथ की रचना की ?
(1) रसिकप्रिया
(2) कविप्रिया
(3) रामचंद्रिका
(4) छंदमाला
(5) अनुत्तरित प्रश्न

59. रामभक्ति शाखा के कवियों में शामिल नहीं हैं
(1) अग्रदास
(2) स्वामी रामानंद
(3) ईश्वरदास
(4) स्वामी हरिदास
(5) अनुत्तरित प्रश्न

60. गो. विट्ठलनाथ ने शोकार्त्त हो कर किसके संबंध में कहा - "पुष्टिमारग को जहाज जात है सो जाको कछु लेना होय सो लेउ ।" ?
(1) सूरदास
(2) गोकुलनाथ
(3) कुंभनदास
(4) महाप्रभु वल्लभाचार्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

61. तुलसीदास को बुद्ध के बाद, भारत का सबसे बड़ा लोकनायक इनमें से किसने बताया ?
(1) जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन
(2) जी.एच. वेस्टकॉट
(3) ले. कर्नल जेम्स टॉड
(4) फ्रेडरिक सेमुअल ग्राउज
(5) अनुत्तरित प्रश्न

62. हिन्दी रीतिकाव्य में प्रयुक्त 'रीति' शब्द का अर्थ है
(1) सामाजिक विधि-विधान-आधारित रचना-पद्धति ।
(2) नैतिक उपदेशात्मक प्रधान रचना-पद्धति ।
(3) काव्यशास्त्रीय-नियमाधारित विशिष्ट रचना-पद्धति ।
(4) साहित्यशास्त्रीय परंपराओं के प्रति उदासीन रचना-पद्धति ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

63. रीतिकाल में नायक-नायिका भेद के ग्रंथ लिखने वाले रीति ग्रंथकार कवियों ने प्रधानतः किस ग्रंथ से प्रेरणा प्राप्त की है ?
(1) जयदेव कृत 'चंद्रालोक'
(2) अप्पय दीक्षित कृत 'कुवलयानंद'
(3) मम्मट कृत 'काव्यप्रकाश'
(4) भानुदत्त कृत 'रसमंजरी'
(5) अनुत्तरित प्रश्न

64. "अभिधा उत्तम काव्य है, मुध्य लक्षणा लीन ।
अधम व्यंजना रस विरस, उलटी कहत नवीन ।।"
'शब्द शक्ति' के विषय में उपर्युक्त पंक्तियाँ किस कवि द्वारा रचित हैं ?
(1) भिखारीदास
(2) देव
(3) केशवदास
(4) मतिराम
(5) अनुत्तरित प्रश्न

65. रीतिमुक्त काव्य की विशेषता नहीं है
(1) भावात्मकता
(2) वक्रता
(3) निर्वैयक्तिकता
(4) रहस्यात्मकता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

66. "भूषण की कविता कविकीर्ति संबंधी एक अविचल सत्य का दृष्टांत है । जिसकी रचना को जनता का हृदय स्वीकार करेगा उस कवि की कीर्ति तब तक बराबर बनी रहेगी, जब तक स्वीकृति बनी रहेगी ।"
कवि भूषण की कविताई के संबंध में यह कथन किसका है ?
(1) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(2) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
(3) डॉ. नगेन्द्र
(4) डॉ. बच्चन सिंह
(5) अनुत्तरित प्रश्न

67. घनानंद के काव्य की विशेषता नहीं है
(1) इनके वर्ण्य विषय में पर्याप्त विविधता और विस्तार है ।
(2) इनके काव्य में प्रेम की विषादमयी अनुभूति फ़ारसी काव्य परम्परा के अनुकूल है ।
(3) उनकी शैली का सर्वाधिक उल्लेखनीय गुण भाषा का लाक्षणिक प्रयोग है ।
(4) उनकी काव्य-भाषा में मुहावरों का भी प्रचुर प्रयोग मिलता है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

68. हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल की पृष्ठभूमि और परिस्थितियों के संबंध में असंगत है
(1) भारतवर्ष ब्रिटिश साम्राज्य का उपनिवेश बन गया इससे आर्थिक, शैक्षणिक और प्रशासनिक नीतियों में परिवर्तन हुए ।
(2) उच्च वर्ग और श्रमिक वर्ग के अतिरिक्त एक नये मध्य वर्ग का उदय हुआ ।
(3) फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना हुई जिससे भारतीय भाषाओं में गद्य लेखन को प्रोत्साहन मिला ।
(4) नई अर्थव्यवस्था के लागू होने से गाँवों और शहरों का सम्पर्क पूरी तरह टूट गया ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

69. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने किसकी भाषा को "सबसे चटकीली, मटकीली, मुहावरेदार और चलती" बताया है ?
(1) मुंशी सदासुख लाल 'नियाज'
(2) इंशाअल्ला खाँ
(3) लल्लूलाल
(4) सदल मिश्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न

70. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने हिंदी गद्य को एकसाथ आगे बढ़ाने वाले विद्वानों में इनमें से किसे स्थान नहीं दिया है ?
(1) मुंशी सदासुख लाल
(2) श्रद्धाराम फिल्लौरी
(3) सैयद इंशाअल्ला खाँ
(4) सदल मिश्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न

71. प्रसाद के नाटकों की विशेषता नहीं है
(1) इनके माध्यम से भारतीय संस्कृति के श्रेष्ठ तत्त्वों की अभिव्यक्ति हुई है ।
(2) इनमें राष्ट्रीय चेतना सर्वत्र दिखाई देती है ।
(3) इनमें काव्यत्व की प्रवृत्ति व्याप्त है ।
(4) अभिनय की दृष्टि से ये पूर्णतः सफल हैं ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

72. नाटक–नाटककार युग्म असुमेलित है
(1) बकरी – सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
(2) मरजीवा – मुद्राराक्षस
(3) वामाचार – हमीदुल्ला
(4) रातरानी – लक्ष्मीनारायण लाल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

73. हिन्दी नवजागरण के भारतेंदुयुगीन साहित्यिक परिवेश पर पड़े प्रभावों की दृष्टि से असंगत कथन है
(1) विषय चयन में व्यापकता और विविधता का प्रसार हुआ ।
(2) प्रकृति का उद्दीपनात्मक चित्रण, भक्ति और नीति को प्रमुख वर्ण्य विषयों के रूप में ग्रहण किया गया ।
(3) भारतेन्दु ने 'जातीय संगीत' अर्थात् लोकगीत की शैली पर सामाजिक कविताओं की रचना पर बल दिया ।
(4) अंग्रेजी–साहित्य के अध्ययन से राष्ट्रीय भावना के विकास के लिए उचित वातावरण बन सका ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

74. इनमें से किसे द्विवेदी–युगीन भावात्मक निबंध लेखकों में प्रमुख स्थान प्राप्त है ?
(1) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(2) बाबू श्यामसुंदर दास
(3) अध्यापक पूर्ण सिंह
(4) बाबू गुलाबराय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

75. निम्नलिखित कृतियों में से जगदीशचन्द्र माथुर की नाट्यकृति है :
(1) आलमगीर
(2) हानूश
(3) टूटते परिवेश
(4) कोणार्क
(5) अनुत्तरित प्रश्न

76. 'कारवाँ' एकांकी संग्रह के रचनाकार हैं
(1) भुवनेश्वर प्रसाद
(2) रामकुमार वर्मा
(3) जगदीशचंद्र माथुर
(4) उपेंद्रनाथ अश्क
(5) अनुत्तरित प्रश्न

77. 'बकलम खुद' निबंध संग्रह के रचनाकार हैं
(1) श्रीलाल शुक्ल
(2) अमृतराय
(3) रामदरश मिश्र
(4) नामवर सिंह
(5) अनुत्तरित प्रश्न

78. निम्नलिखित में असंगत विकल्प है :

(1) गुड़िया भीतर गुड़िया – मैत्रेयी पुष्पा

(2) आपहुदरी – रमणिका गुप्ता

(3) तिरस्कृत – ओमप्रकाश वाल्मीकि

(4) मेरी पत्नी और भेड़िया – डॉ. धर्मवीर

(5) अनुत्तरित प्रश्न

79. निम्नलिखित में मनोविश्लेषणवादी उपन्यासकार नहीं है :

(1) जैनेंद्र

(2) मन्मथनाथ गुप्त

(3) इलाचंद्र जोशी

(4) डॉ. देवराज

(5) अनुत्तरित प्रश्न

80. उपन्यास और उपन्यासकारों की दृष्टि से कौन सा विकल्प सुमेलित है ?

(1) अनामदास का पोथा – भगवतीचरण वर्मा

(2) धूर्त रसिकलाल – राधाकृष्णदास

(3) जहाज का पंछी – जैनेन्द्र

(4) नीला चाँद – शिवप्रसाद सिंह

(5) अनुत्तरित प्रश्न

81. 'आत्मकथा' विधा की रचना नहीं है

(1) अन्या से अनन्या – प्रभा खेतान

(2) सहचर है समय – रामदरश मिश्र

(3) जूठन – ओमप्रकाश वाल्मीकि

(4) अनल पाखी – अंकित नरवाल

(5) अनुत्तरित प्रश्न

82. किस काव्यधारा ने सर्वप्रथम यथार्थवाद की ओर समस्त साहित्यिक चेतना को अग्रसर होने की प्रेरणा दी ?

(1) प्रयोगवाद

(2) प्रगतिवाद

(3) नई कविता

(4) छायावाद

(5) अनुत्तरित प्रश्न

83. कवि और काव्य-रचना की दृष्टि से असंगत विकल्प है

(1) नागार्जुन – 'उस जनपद का कवि हूँ', 'तुम्हें सौंपता हूँ'

(2) केदारनाथ अग्रवाल – 'युग की गंगा', 'अपूर्वा'

(3) अज्ञेय – 'सागर मुद्रा', 'आँगन के पार द्वार'

(4) गिरिजाकुमार माथुर – 'मंजीर', 'शिला पंख चमकीले'

(5) अनुत्तरित प्रश्न

84. छायावादी काव्य के संबंध में असंगत है

(1) इस युग के काव्य में द्विवेदीयुगीन नैतिकता और स्थूलता की प्रतिक्रिया दिखायी देती है।

(2) विदेशी दासता के प्रति विद्रोह का स्वर सुनायी देता है।

(3) विषय, भाव, भाषा, छंद आदि क्षेत्रों में मूल्यों की प्रतिष्ठा का प्रयास दिखायी देता है।

(4) इनके काव्य में मूल्यों की अभिव्यक्ति व्यापक मानवीय स्तर पर नहीं हुई है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

85. भारत में 1936 में प्रगतिवाद के प्रथम अधिवेशन की अध्यक्षता किसने की ?
(1) सज्जाद जहीर (2) डॉ. मुल्कराज
(3) प्रेमचंद (4) अज्ञेय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

86. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प असंगत है ?
(1) नरेश मेहता ने 'संशय की एक रात' में युद्ध को लेकर राम के मन में उठनेवाले अन्तर्द्वन्द्वों का चित्रण किया है।
(2) कुँवर नारायण की कृति 'आत्मजयी' की कथावस्तु 'कठोपनिषद्' की 'यम-नचिकेता' कहानी पर आधारित है।
(3) 'आत्महत्या के विरुद्ध' संग्रह में सर्वेश्वरदयाल सक्सेना ने आत्महत्या के कारणों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या की है।
(4) भवानीप्रसाद मिश्र की 'दूसरा सप्तक' में संकलित कविताएँ 'गीत फरोश', 'सतपुड़ा के जंगल' आदि लोकप्रिय कविताएँ हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

87. विभावादि के साधारणीकरण की सिद्धि भावकत्व व्यापार से मानने वाले आचार्य हैं
(1) भट्टलोल्लट (2) शंकुक
(3) भट्टनायक (4) अभिनवगुप्त
(5) अनुत्तरित प्रश्न

88. काव्य हेतु के संबंध में असंगत है
(1) प्रतिभा ही काव्योत्पत्ति का मूल कारण मानी गयी है।
(2) प्रतिभा को शक्ति और अभ्यास को निपुणता भी कहा जाता है।
(3) अभ्यास से कवि की रचना अधिक परिपक्व एवं अभिव्यक्ति सौन्दर्य से पूर्ण होती है।
(4) व्याकरण, काव्यशास्त्र आदि के अध्ययन से कवि अपनी कृति को अधिक उपयोगी, सुंदर एवं गंभीर बना सकता है, इसे व्युत्पत्ति कहा जाता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

89. लोंजाइनस उदात्त के स्रोतों (तत्त्वों) में सर्वाधिक महत्त्व किसे देते हैं ?
(1) महान और पुष्ट विचारों के धारण की क्षमता।
(2) प्रबल भावावेग की प्रेरणा।
(3) अलंकारों की समुचित योजना।
(4) अभिजात पद रचना।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

90. "कीन्हें प्राकृत जन गुन गाना।
सिर धुनि गिरा लगत पछिताना।।"
तुलसीदास के मतानुसार सरस्वती जी कब पछताने लगती हैं ?
(1) जब कवि सांसारिक मनुष्यों का गुणगान करता है।
(2) जब सांसारिक बुद्धि वाले लोग कविता सुनने लगते हैं।
(3) जब प्राकृत भाषा में ईश्वर की कथा कही जाती है।
(4) जब सांसारिक मनुष्य साधारण कवि का गुणगान करते हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

91. "हँसै न बोलै उन्मनी, चंचल मेल्ह्या मारि।
कहै कबीर भीतरि भिद्या, सतगुर के हथियार।।"
इस साखी में प्रयुक्त 'उन्मनी' शब्द का संकेतित अर्थ नहीं है
(1) मन और प्राण एक हो जाना
(2) आत्म-साक्षात्कार की अवस्था
(3) मन का अस्थिर हो जाना
(4) मन की संकल्प-विकल्पात्मक प्रकृति समाप्त हो जाना
(5) अनुत्तरित प्रश्न

92. "ढाई साल से मैं स्वयं भ्रम में थी और तुम्हें भी भ्रम में डाले रखा था, पर आज भ्रम के, छलना के सारे जाले छिन्न-भिन्न हो गए हैं।"
कथा नायिका (यही सच है) यह बात किससे कह रही है ?
(1) इरा
(2) निशीथ
(3) संजय
(4) मेहता साहब की बच्ची
(5) अनुत्तरित प्रश्न

93. "औरै-ओप कनीनिकनु गनी घनी-सिरताज।
मनी धनी के नेह की बनीं छनीं पट लाज ।।"
उपर्युक्त दोहे में 'कनीनिकनु' का क्या अर्थ है ?
(1) आच्छादित
(2) प्रभु
(3) आँख की पुतली
(4) पट
(5) अनुत्तरित प्रश्न

94. 'कविता क्या है' निबंध में आचार्य शुक्ल द्वारा व्यक्त कविता विषयक विचारों की दृष्टि से असंगत है -
(1) कविता मनुष्य के हृदय को स्वार्थ-सम्बन्धों के संकुचित मण्डल से ऊपर उठाकर लोक-सामान्य भावभूमि पर ले जाती है।
(2) जब तक भावों से सीधा और पुराना लगाव रखने वाले मूर्त और गोचर रूप न मिलेंगे तब तक काव्य का वास्तविक ढाँचा खड़ा नहीं हो सकता।
(3) काव्य में अर्थग्रहण मात्र से काम नहीं चलता, बिम्बग्रहण अपेक्षित होता है।
(4) मन को अनुरंजित करना, उसे सुख या आनन्द पहुँचाना ही कविता का अन्तिम लक्ष्य है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

95. "आप नंदनविहारी और मैं पृथ्वी पर परिश्रम करके जीने वाली।"
इस पंक्ति में 'आप' और 'मैं' कौन हैं ?
(1) कौशल नरेश और मधूलिका
(2) अरुण और मधूलिका
(3) कौशल नरेश और अरुण
(4) मधूलिका और मंत्री
(5) अनुत्तरित प्रश्न

96. हिन्दी भाषा की बोलियों-उपबोलियों के संबंध में असंगत है -
(1) खड़ी बोली का विकास शौरसेनी अपभ्रंश से हुआ है, इसे कौरवी भी कहा जाता है।
(2) मगही बोली का परिनिष्ठित रूप गया जिले में बोला जाता है, इसके सीमान्त रूपों पर 'उड़िया' और 'बंगाली' का प्रभाव पड़ा है।
(3) उत्तरप्रदेश और उत्तरप्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में बोली जाने वाली बुंदेली का विकास मागधी अपभ्रंश से हुआ है।
(4) डॉ. ग्रियर्सन ने राजस्थानी बोलियों को पाँच वर्गों में रखा था लेकिन 'भीली' को इसके अन्तर्गत नहीं रखा।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

97. निम्नलिखित में से किसे नागरी लिपि का दोष माना जाता है ?
(1) वर्णमाला का वर्गीकरण
(2) एक ध्वनि के लिए एक से अधिक चिह्न
(3) लिपि चिह्नों के नाम ध्वनि के अनुरूप
(4) ह्रस्व तथा दीर्घ स्वर के लिए स्वतंत्र चिह्न
(5) अनुत्तरित प्रश्न

98. 'परि' उपसर्ग से निर्मित नहीं है

(1) परिधि

(2) पर्याप्त

(3) परिक्रमा

(4) प्रत्यक्ष

(5) अनुत्तरित प्रश्न

99. 'अक्षौहिणी' शब्द का सही विच्छेद है

(1) अक्ष + उहिणी

(2) अक्ष + ओहिनी

(3) अक्ष + ओहिणी

(4) अक्ष + ऊहिनी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

100. किस सामासिक पद का सही विग्रह नहीं हुआ है ?

(1) रणविमुख = रण में विमुख

(2) पराधीन = पर के अधीन

(3) हथकड़ी = हाथ के लिए कड़ी

(4) दूरागत = दूर से आगत

(5) अनुत्तरित प्रश्न

101. 'प्र' उपसर्ग से निर्मित शब्द नहीं है

(1) प्रस्थान

(2) प्रत्युपकार

(3) प्रख्यात

(4) प्रभु

(5) अनुत्तरित प्रश्न

102. प्रत्यय के योग से बना विशेषण शब्द है

(1) मानवता

(2) सौंदर्य

(3) कुलीन

(4) बचपन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

103. पर्यायवाची शब्दों की दृष्टि से कौन सा विकल्प असंगत हैं ?

(1) रात्रि – निशा, यामिनी, विभावरी, शर्वरी

(2) सोना – कंचन, हाटक, हिरण्य, हेम

(3) सूर्य – मयूख, प्रभा, मघवा, अर्णव

(4) देवता – अमर, निर्जर, सुर, विबुध

(5) अनुत्तरित प्रश्न

104. किस विकल्प में विलोम शब्द-युग्म है ?

(1) अथ – आरंभ

(2) उपेक्षा – अंबर

(3) अज्ञ – विज्ञ

(4) ईश्वर – उत्कर्ष

(5) अनुत्तरित प्रश्न

105. सैन्धव, वाजि और घोटक किसके पर्यायवाची शब्द हैं ?

(1) अश्व

(2) अनल

(3) अक्षि

(4) पुरन्दर

(5) अनुत्तरित प्रश्न

106. 'गुरु' शब्द का अर्थ नहीं है

(1) भारी

(2) अहंकारी

(3) गुच्छ

(4) श्रद्धेय

(5) अनुत्तरित प्रश्न

107. किस विकल्प में समश्रुत भिन्नार्थक शब्द-युग्म का अर्थभेद सुसंगत नहीं है ?

(1) अब्ज – अब्द = कमल – बादल

(2) अनल – अनिल = आग – हवा

(3) द्विप – द्वीप = टापू – हाथी

(4) निहत – निहित = मरा हुआ – संलग्न, छिपा हुआ

(5) अनुत्तरित प्रश्न

108. 'असंभव कार्य करना' वाक्यांश के लिए उचित मुहावरा होगा

(1) आग से खेलना

(2) आकाश के तारे तोड़ना

(3) आग लगने पर कुआँ खोदना

(4) आसमान से बातें करना

(5) अनुत्तरित प्रश्न

109. 'जिगीषा' शब्द किस वाक्यांश के लिए प्रयुक्त होता है ?

(1) लाभ की इच्छा

(2) जीवन की इच्छा

(3) जीतने की इच्छा

(4) भोजन की इच्छा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

110. किस विकल्प में सभी शब्द वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध हैं ?

(1) मिष्टान्न, शाप, निरवलंब, अतिथि

(2) द्वारका, मैथीलि, महात्म्य, अहल्या

(3) पूजनीय, प्रशंसा, मध्यान्ह, अन्तर्ध्यान

(4) युधिष्ठिर, अन्त्याक्षरी, पारितौषिक, प्रज्वलित

(5) अनुत्तरित प्रश्न

111. वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध शब्द है

(1) गरिष्ठ

(2) घनिष्ट

(3) प्रदर्शनी

(4) तिलांजलि

(5) अनुत्तरित प्रश्न

112. निम्नलिखित में वार्तनिक दृष्टि से शुद्ध शब्द है :

(1) इकठ्ठा

(2) अभ्यस्थ

(3) केंद्रीकरण

(4) आजीविका

(5) अनुत्तरित प्रश्न

113. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए :

(1) साहित्य और जीवन का घोर सम्बन्ध है ।

(2) वे दान देने में विकट रूप से प्रसिद्ध थे ।

(3) उसने आग्रहपूर्वक कहा ।

(4) वहाँ भारी-भरकम भीड़ जमा थी ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

114. निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है :

(1) सब्जी कौन लाने गया है ।

(2) ग्वाले ने पानी मिलाकर दूध बेचा ।

(3) ईमानदार तिपहिया चालक ने यात्री का सामान लौटाया ।

(4) शाबाश ! हमें तुम पर गर्व है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

115. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य कौन सा है ?

(1) मुझसे यह काम संभव नहीं हो सकता ।

(2) चरखा कातना चाहिए ।

(3) मैं आपके दर्शन करने आया हूँ ।

(4) यह कविता अनेकों भावों को प्रकट करती है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

116. 'परिपत्र' की विशेषता नहीं है

(1) परिपत्र प्रायः आंतरिक होता है अर्थात् इसका प्रयोग जारीकर्ता मंत्रालय / विभाग / कार्यालय तक सीमित रहता है ।

(2) परिपत्र को पत्राचार का रूप नहीं माना जाता ।

(3) परिपत्र में किसी प्रकार के उत्तर की अपेक्षा नहीं की जाती ।

(4) किसी व्यक्ति-विशेष को आदेश/अनुदेश देने के लिए परिपत्र का प्रयोग किया जाता है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

117. अर्द्धशासकीय पत्र के संबंध में असंगत है

(1) अर्द्धशासकीय पत्र में अनौपचारिकता का पुट होता है ।

(2) इसमें विषय और संदर्भ अवश्य लिखा जाता है ।

(3) अधोलेख के रूप में आपका, शुभेच्छु आदि लिखा जाता है ।

(4) 'सेवा में' लिखना पूर्णतः वर्जित होता है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

118. 'नाक का बाल होना' का अर्थ है

(1) अधिक प्रिय होना

(2) प्रतिष्ठा नष्ट होना

(3) ध्यान देना

(4) प्रत्यक्ष होना

(5) अनुत्तरित प्रश्न

119. 'अक्ल पर परदा पड़ना' मुहावरे का उपयुक्त भावार्थ है –

(1) दूसरे को हीन समझना ।

(2) जान–बूझकर ग़लती करना ।

(3) अपने को बड़ा होशियार समझने वाला ।

(4) बुद्धि मारी जाना ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

120. 'कष्ट पर कष्ट आना' के लिए उपयुक्त लोकोक्ति है

(1) घर का भेदी लंका ढाए

(2) ढाक के तीन पात

(3) नदी-नाव संयोग

(4) कंगाली में आटा गीला

(5) अनुत्तरित प्रश्न

7047797

121. किस मनोवैज्ञानिक ने अपने सामाजिक-सांस्कृतिक विकास सिद्धान्त के अन्तर्गत भाषा को महत्त्व दिया है ?

(1) पियाजे

(2) वाइगोट्स्की

(3) ब्रूनर

(4) टॉलमैन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

122. निम्नलिखित में से 'उत्तम लड़का – अच्छी लड़की उन्मुखता' को लॉरेंस कोह्लबर्ग के नैतिक विकास के सिद्धान्त के किस स्तर के अन्तर्गत सम्मिलित किया जाता है ?

(1) प्राक् रूढ़िगत नैतिकता

(2) उत्तर रूढ़िगत नैतिकता

(3) रूढ़िगत नैतिकता

(4) मध्य रूढ़िगत नैतिकता

(5) अनुत्तरित प्रश्न

123. टाइप-एस अनुबन्धन सिद्धान्त किसने दिया ?

(1) थॉर्नडाइक

(2) पावलाव

(3) हल

(4) बण्डुरा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

124. निम्नलिखित में से कौन सा अधिसंज्ञान का एक आवश्यक कौशल नहीं है ?

(1) नियोजन

(2) निगरानी (मॉनिटरिंग)

(3) असंतुलन

(4) मूल्यांकन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

125. निम्नलिखित में से कौन सा स्केफोल्डिंग की विशेषता है ?

(a) आकस्मिक सहायता

(b) मंदन (फेडिंग)

(c) जिम्मेदारी का स्थानांतरण

704797

सही कूट का चयन कीजिए :

(1) (a) एवं (b)

(2) (b) एवं (c)

(3) (a) एवं (c)

(4) (a), (b) एवं (c)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

704797

126. निम्नलिखित में से कौन सा एक शास्त्रीय अनुबन्धन सिद्धान्त का नियम नहीं है ?

704797

(1) अर्जन / अभिग्रहण

(2) सामान्यीकरण

(3) विभेदीकरण

(4) अंतर्नोद

(5) अनुत्तरित प्रश्न

704797

127. यदि किसी विद्यार्थी का अकादमिक गतिविधियों में प्रदर्शन अच्छा नहीं है किंतु वह गैर-अकादमिक गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करता है, यह उदाहरण निम्न में से किस समायोजन युक्ति से संबंधित है ?

(1) प्रक्षेपण

(2) तादात्मीकरण

(3) क्षतिपूर्ति

(4) दमन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

128. निम्नलिखित में से किसे मानसिक स्वास्थ्य विज्ञान को प्रारम्भ करने का श्रेय दिया जाता है ?

(1) ई. थॉर्नडाइक

(2) ड्रेवर

(3) सी.डब्ल्यू. बीयर्स

(4) हैडफील्ड

(5) अनुत्तरित प्रश्न

129. निम्नलिखित में से कौन सा संवेगात्मक बुद्धि का एक घटक है ?

(a) संवेगों का प्रत्यक्षीकरण

(b) संवेगों का उपयोग

(c) संवेगों का अवबोधन

(d) संवेगों का प्रबन्धन

सही कूट का चयन करें :

(1) (a) एवं (b)

(2) (b) एवं (c)

(3) (a), (c) एवं (d)

(4) (a), (b), (c) एवं (d)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

130. निम्नलिखित में से कौन सा संवेगात्मक बुद्धिमत्ता से संबंधित नहीं है ?

(1) स्वयं के विषय में जागरूक होना ।

(2) संवेगों का प्रबंधन करना ।

(3) संवेगों को अनदेखा करना ।

(4) सामाजिक रूप से जागरूक होना ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

131. "पूर्वाग्रह" सम्प्रेषण में आने वाली बाधाओं में से किस प्रकार की बाधा का उदाहरण है ?

(1) भौतिक बाधा

(2) सांस्कृतिक बाधा

(3) भाषायी बाधा

(4) मनोवैज्ञानिक बाधा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

132. कक्षा कक्ष संचार प्रक्रिया में संप्रेषण की अवस्थाओं के सही क्रम का चयन कीजिए :

(1) एनकोडिंग, सम्प्रेषण का स्रोत, डीकोडिंग, माध्यम, संदेश प्राप्तकर्त्ता, पृष्ठ पोषण

(2) एनकोडिंग, डीकोडिंग, सम्प्रेषण का स्रोत, माध्यम, संदेश प्राप्तकर्त्ता, पृष्ठ पोषण

(3) सम्प्रेषण का स्रोत, एनकोडिंग, डीकोडिंग, माध्यम, संदेश प्राप्तकर्त्ता, पृष्ठ पोषण

(4) सम्प्रेषण का स्रोत, एनकोडिंग, माध्यम, डीकोडिंग, संदेश प्राप्तकर्त्ता, पृष्ठ पोषण

(5) अनुत्तरित प्रश्न

133. शिक्षण प्रतिमान का कौन सा आधारभूत तत्त्व शिक्षक व विद्यार्थी की कक्षा के बाहर व अंदर भूमिका एवं पारस्परिक संबंध को प्रदर्शित करता है ?

(1) उद्देश्य

(2) संरचना

(3) सामाजिक व्यवस्था

(4) सहायक प्रणाली

(5) अनुत्तरित प्रश्न

134. निम्नलिखित में से कौन सा शिक्षण प्रतिमान (Teaching Model) इन्फोर्मेशन प्रोसेसिंग परिवार (Information Processing) में सम्मिलित नहीं है ?

(1) सिनेक्टिक्स (Synectics)

(2) साइंटिफिक इंक्वायरी (Scientific Inquiry)

(3) इंक्वायरी ट्रेनिंग (Inquiry Training)

(4) नीमोनिक्स (Mnemonics)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

135. निम्नलिखित में से शिक्षण-सहायक सामग्री किस हेतु उपयोगी नहीं है ?

(1) शिक्षण की प्रभावशीलता हेतु

(2) पाठ्यवस्तु के स्पष्टीकरण हेतु

(3) सार्थक अनुभव देने हेतु

(4) रटन्त अधिगम में वृद्धि हेतु

(5) अनुत्तरित प्रश्न

136. निम्नलिखित शिक्षण-सहायक सामग्री में कौन सा माध्यम अप्रक्षेपित (Non-projected) है ?

(1) चल-चित्र

(2) ओवर हेड प्रोजेक्टर (ओ.एच.पी.)

(3) बुलेटिन-बोर्ड

(4) फिल्म स्ट्रिप

(5) अनुत्तरित प्रश्न

137. निम्नलिखित में से कौन सा सहकारी अधिगम का एक प्रमुख घटक नहीं है ?

(1) व्यक्तिगत स्पर्धा

(2) व्यक्तिगत जवाबदेही

(3) समूह लक्ष्य

(4) सफलता के समान अवसर

(5) अनुत्तरित प्रश्न

138. निम्नलिखित में कौन सहकारी अधिगम की विधि नहीं है ?

(1) जिगसा (Jigsaw)

(2) थिंक पेयर शेयर (Think Pair Share)

(3) खोज विधि

(4) प्रोजेक्ट विधि

(5) अनुत्तरित प्रश्न

139. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प आई.सी.टी. (I.C.T.) की व्यापक परिभाषा में शामिल नहीं है ?

(1) कंप्यूटर

(2) मोबाइल फोन

(3) रेडियो

(4) पारंपरिक मुद्रित पुस्तकें

(5) अनुत्तरित प्रश्न

140. सॉफ्टवेयर उपागम का मुख्य उद्देश्य क्या है ?

(1) शैक्षिक उपकरणों का निर्माण ।

(2) शिक्षार्थियों के लिये सीमाओं और उद्देश्यों को निर्धारित करना ।

(3) कक्षा में अधिक छात्रों को समायोजित करना ।

(4) इलेक्ट्रोनिक सामग्री का प्रसारण ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

141. निम्नलिखित में से कौन सा आउटपुट (Output) उपकरण नहीं है ?

(1) प्रिंटर (Printer)

(2) स्पीकर (Speaker)

(3) माइक्रोफोन (Microphone)

(4) प्लोटर (Plotter)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

142. निम्नलिखित में से कौन से प्रणाली उपागम के मूलभूत समष्टि (पैरामीटर) होते हैं ?

(1) अदा, प्रक्रिया, प्रदा, पर्यावरणीय सन्दर्भ

(2) अदा, अभ्यास, अनुक्रिया, प्रदा

(3) अदा, प्रदा, प्रक्रिया, अभिप्रेरणा

(4) अदा, प्रक्रिया, अभ्यास, पर्यावरणीय सन्दर्भ

(5) अनुत्तरित प्रश्न

143. प्रणाली उपागम की मूल अवधारणा निम्न में से किस विषय से ली गयी है ?

(1) खगोल शास्त्र

(2) जीव विज्ञान

(3) भौतिक विज्ञान

(4) दर्शन शास्त्र

(5) अनुत्तरित प्रश्न

144. निम्नलिखित में से कम्प्यूटर सहायक अनुदेशन का प्रयोग किस पक्ष के विकास के लिए किया जाता है ?

(1) ज्ञानात्मक एवं मनोक्रियात्मक

(2) ज्ञानात्मक एवं भावात्मक

(3) भावात्मक एवं मनोक्रियात्मक

(4) ज्ञानात्मक, भावात्मक एवं मनोक्रियात्मक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

145. कंप्यूटर सहाय अधिगम की कौन सी विधि/प्रणाली में प्रतिक्रियाओं पर लगातार अभ्यास करने की विशेषता पाई जाती है ?

(1) सिमुलेशन

(2) ड्रिल एवं प्रेक्टिस

(3) ट्यूटोरियल

(4) डायलॉग

(5) अनुत्तरित प्रश्न

146. "शिक्षा मनोविज्ञान विद्यालय अधिगम तथा उसके समस्त पहलुओं का अध्ययन है" – यह परिभाषा किसके द्वारा दी गई है ?

(1) पील

(2) केरोल

(3) कॉलसनिक

(4) क्रॉ एण्ड क्रॉ

(5) अनुत्तरित प्रश्न

147. मनोविज्ञान का कौन सा क्षेत्र मुख्य रूप से कक्षा में शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले कारकों के अध्ययन पर केंद्रित है ?

(1) नैदानिक मनोविज्ञान

(2) विकासात्मक मनोविज्ञान

(3) शिक्षा मनोविज्ञान

(4) संज्ञानात्मक मनोविज्ञान

(5) अनुत्तरित प्रश्न

148. निम्नलिखित में से कौन से क्षेत्र शिक्षा मनोविज्ञान के कार्यक्षेत्रों में सम्मिलित हैं ?

(a) विकास

(b) अपवादात्मक बालक

(c) अधिगम प्रक्रिया

(d) वैयक्तिक विभिन्नता

सही कूट का चयन कीजिए :

(1) (a) एवं (b)

(2) (a) एवं (c)

(3) (a), (b) एवं (c)

(4) (a), (b), (c) एवं (d)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

149. पियाजे के संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन सी विशेषता 'औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था' की विशेषता है ?

(a) परिकल्पनात्मक चिंतन

(b) सामान्यीकरण एवं नियम निर्माण

(c) अहंकेन्द्रितता

(d) जीववादिता

सही कूट का चयन कीजिए :

(1) (a) तथा (b)

(2) (c) तथा (d)

(3) (a), (b) तथा (c)

(4) (a), (b), (c) तथा (d)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

150. ब्रिजेज (Bridges) के संवेगात्मक विकास सिद्धान्त के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा निष्कर्ष सिद्धान्त के निष्कर्षों में सम्मिलित नहीं है ?

(1) तीव्र संवेगों की अनुक्रियाएँ बढ़ती जाती हैं।

(2) किसी उद्दीपक के प्रति व्यक्त की जाने वाली अनुक्रिया अपेक्षाकृत अधिक विशिष्ट हो जाती है।

(3) संवेगात्मक अनुक्रियाएँ एक परिस्थिति से दूसरी परिस्थिति को स्थानान्तरित होती हैं।

(4) संवेगात्मक अनुक्रियाएँ धीरे-धीरे विभेदित होती जाती हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK

704797

704797

704797

704797